B.A. - II CBCS Pattern Semester-IV

BA12A2-3 - Compulsory Pali

P. Pages : 5 | **GUG/S/24/12054**

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमातून उत्तरे लिहा.
स्विकृत माध्यम में उत्तरं लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

तेन खो पन समयेन राजगहे सत्तरसवग्गिया दारका सहायका होन्ति। उपालि दारको तेसं पामोक्खो होति। अथ खो उपालिस्स मातापितुन्नं एतदहोसि - "केन नु खो उपायेन उपालि अम्हाकं अच्चयेन सुखं च जीवेय्य, न च किलमेय्या' ति? अथ खो उपालिस्स मातापितुन्नं एतदहोसि- "सचे" खो उपालि लेखं सिक्खेय्य, एवं खो उपालिं अम्हाकं अच्चयेन सुखं च जीवेय्य, न च किलमेय्या "ति। अथ खो उपालिस्स मातापितुन्नं एतदहोसि - सचे खो उपालि लेखं सिक्खिस्सति, अङखलियो दुक्खा भविस्सन्ति। सचे खो उपालि गणनं सिक्खेय्या एवं खो उपालि अम्हाकं अच्चयेन सुखं च जीवेय्य, न च किलमेय्या" ति। अथ खो उपालिस्स, मातापितुन्नं एतदहोसि - "सचे खो उपालि गणनं सिक्खिस्सति, उरस्स दुक्खो भविस्सति।

किंवा / अथवा

अस्सोसुं खो वेसालिका लिच्छवी - भगवा किर कोटिगामं अनुप्पत्तो ति। अथ खो वेसालिका लिच्छवी भद्रानि भद्रानि यानानि योजापेत्वा भद्रं भद्रं यानं अभिरुहित्वा भद्रेहि भद्रेहि यानेहि वेसालिया निय्यासुं भगवन्तं दस्सनाय। अप्पेकच्चे लिच्छवी नीला होन्ति नीलवण्णा नीलवत्था नीलालङकारा, अप्पेकच्चे लिच्छवी पीता होन्ति पीतवण्णा पीतवत्था पीतालङकारा, अप्पेकच्चे लिच्छवी लोहितका होन्ति लोहितवण्णा लोहितवत्था लोहितलङकारा अप्पेकच्चे लिच्छवी ओदाता होति ओदातवण्णा ओदातवत्था ओदातालङकारा। अथ खो अम्बपाली गणिका दहरानं दहरानं लिच्छवीनं ईसाय ईसं युगेन युगं चक्केन चक्कं अक्खेन अक्खं पटिवत्तेसि। अथ खो ते लिच्छवी अम्बपालिं गणिकं एतदवोचु - किस्सा, जे, अम्बपालि, दहरानं दहरानं लिच्छवीनं ईसाय ईसं युगेन युगं चक्केन चक्कं अक्खेन अक्खं पटिवत्तेसि।

ब) "राजभटवत्थु" चा सारांश लिहा. **6**
"राजभटवत्थु" का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

'पञ्चबाधवत्थु' चा सारांश लिहा.
'पञ्चबाधवत्थु' का सार लिखिए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) काळका भयरवण्णसादिया, वेल्लितग्गा मम मुध्दजा अहुं।
ते जराय साणवाकसादिसा, सच्चवादिवचनं अनञ्ञथा॥

2) वासितो व सुरभी करण्डको, पुप्फपूरो मम उत्तमङ्गओ।
तं जरायथ सलोमगन्धिकं, सच्चवादिवचनं अनञ्ञथां॥

3) काननं व सहितं सुरोपितं, कोच्छसूचिविचितग्गसोभितं।
तं जराय विरलं तहिं तहिं, सच्चवादिवचनं अनञ्ञथा॥

4) कण्हखन्धकसुवण्णमण्डितं, सोभते सुवेणीहिलङ्कत।
तं जराय खलितं सिरं कतं, सच्चवादिवचनं अनञ्ञथा॥

किंवा / अथवा

1) बुध्दं वीर नमो त्थत्थु, सब्बसत्तानमुत्तम।
यो मं दुक्खा पमोचेसि, अञ्चञ्च बहुकं जनं॥

2) सब्बदुक्खं परिञ्ञातं, हेतुतण्हा विसोसिता।
भावितो अट्ठङ्गिको मग्गो, निरोधौं फुसितो मया॥

3) माता पुत्तो पिता भाता, अय्यका च पुरे अहुं।
यथाभुच्चमजानन्ती, संसरिहं अनिब्बिसं॥

4) दिट्ठो हि मे सो भगवा, अन्तिमोयं समुस्सयो।
विक्खीणो जातिसंसारो, नत्थि दानि पुनब्भवो॥

ब) पटाचाराथेरी चे जीवनप्रवास लिहा. **6**
पटाचाराथेरी का जीवनप्रवास लिखिए।

किंवा / अथवा

उप्पलवनाथेरीचा सारांश सांगा.
उप्पलवनाथेरी का सार बताईए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

"एवं, भन्ते" ति खो अभयो राजकुमारो निगण्ठस्स नातपुतस्स पटिस्सुत्वा उट्ठायासना निगण्ठं नातपुतं अभिवादेत्वा पदक्खिणं कत्वा येन भगवा तेनुपसङ्कमि, उपसङ्कमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि। एकमन्तं निसिन्नस्स खो अभयस्स राजकुमारस्स सुरियं उल्लोकेत्वा एतदहोसि 'अकालो खो अज्ज भगवतो वादं आरोपेतुं। स्वे दानाहं सके निवेसने भगवतो वादं आरोपेस्सामि "ति भगवन्तं एतदवोच - "अभिवासेतु मे, भन्ते, भगवा स्वातनाय अत्तचतुत्थो भत्तं" ति। अधिवासेसि भगवा तुण्हीभावेन। अथ खो अभयो राजकुमारो भगवतो अधिवासनं विदित्वा उट्ठायासना भगवन्तं अभिवादेत्वा पदक्खिणं कत्वा पक्कामि।

किंवा / अथवा

तेन खो पन समयेन रट्ठपालो नाम कुलपुत्तो तस्मिं थुल्लकोट्ठिके अग्गकुलस्स पुत्तो तिस्सं परिसायं निसिन्नो होति अथ खो रट्ठपालस्स कुलपुतस्स एतदहोसि - "यथा यथा ख्वाहं भगवतां धम्मं देसितं आजानामिं, नयिदं सुकरं अगारं अज्झावसता, एकन्तपरिपुण्णं एकन्तपरिसुध्दं सङ्खलिखितं ब्रह्मचरियं चरितुं। यन्नूनाहं केसमस्सु ओहारेत्वा कासायानि वत्थानि अच्छादेत्वा अगारस्मा अनगारियं पब्बजेय्य" ति। अथ खो थुल्लकोट्ठिका ब्राह्मणगहपतिका भगवता धम्मिया कथाय सन्दस्सिता समादपिता समुत्तेजिता सम्पहंसिता भगवतो भासितं अभिनन्दित्वा अनुमोदित्वा उट्ठायासना भगवन्तं अभिवादेत्वा पदक्खिण कत्वा पक्कमिंसु।

ब) बुध्दाचे मांसाहारा संदर्भातील विचार सांगा. **6**
बुध्द का मांसाहार संदर्भ के विचार बताईए।

किंवा / अथवा

बोधिराजकुमाराला गृहत्यागाचे कोणते कारण तथागतांनी सांगितले.
बोधिराजकुमार को गृहत्याग का कौनसा कारण तथागतने बतलाया।

4. अ) विभक्ती प्रत्यय लिहा **कोणतेही एक.** **4**
विभक्ती प्रत्यय लिखिए **कोई भी एक।**

सा, युवा, सब्ब, गो

ब) निमित्तार्थक अव्यय लिहा **कोणतेही दोन.** **2**
निमित्तार्थक अव्यय लिखिए **कोई भी दो।**

कर, पठ, सोतं, पिव

क) प्रेरणार्थक क्रिया लिहा **कोणतेही दोन.** **2**
प्रेरणार्थक क्रिया लिखिए **कोई भी दो।**

कर, पच, कन्द, चज

ड) स्वीकृत माध्यमात भाषांतर करा. **4**
स्विकृत माध्यम में अनुवाद कीजिए।

1) बुध्दस्स सिस्सस्स पापं न करोन्ति।

2) रुक्खेसु काका सुकेहि वसन्ति।

3) गहपतिस्स कुच्छिस्मिं व्याधि होति।

4) अन्धस्स नेत्तानि न होन्ति।

इ) पालित भाषांतर करा. **4**
पालि में अनुवाद कीजिए।

1) गावात गरीबांचे घरे होती.
गाव में गरीबों के घर थे।

2) शेतात फुले फळे दिसतात.
खेत में फुल फल दिखते है।

3) मुले गावात खेळतात.
बच्चे गाव में खेलते है।

4) मी काम करणार नाही.
मै काम नही करुंगी।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन.** **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो।**

1) विनयपिटक 2) मज्झिमनिकाय

3) थेरीगाथा 4) आम्रपाली

ब) योग्य पर्याय लिहा. **10**
योग्य पर्याय लिखिए।

1) विनयपिटक कुठे येते.
विनयपिटक कहाँ आता है।
अ) तिपिटक ब) अनुपिटक
क) अभिधम्मपिटक ड) चरियापिटक

2) भिक्खूणींचे किती नियम आहे.
भिक्खूणीयों के नियम कितने है।
अ) 310 ब) 311
क) 312 ड) 313

3) मगध प्रांतात किती आजार पसरले होते.
मगध प्रांत में कुल कितनी बिमारियाँ फैली थी।

अ) 01 ब) 03
क) 05 ड) 07

4) किलासो कोणता रोग आहे.
किलासो कौनसा रोग है।

अ) चर्मरोग ब) कूष्ठरोग
क) भयरोग ड) मानसिक रोग

5) थेरीगाथेत किती थेरी आहे.
थेरीगाथा में कितनी थेरी है।

अ) 70 ब) 71
क) 72 ड) 73

6) रट्ठपाल सुत्त कुठे येते.
रट्ठपाल सुत्त कहाँ आता है।

अ) खुद्दकनिकाय ब) मज्झिमनिकाय
क) संयुत्तनिकाय ड) उदान

7) आम्रपालिने कोणाला अम्बवन दान दिले.
आम्रपालिने किसको अम्बवन दान दिया।

अ) बुध्दं ब) बुध्दसंघ
क) प्रमुखभिक्खूसंघ ड) राजा

8) मगधाचा राजा बिंबिसाराची राजधानी.
मगध का राजा बिंबिसार की राजधानी।

अ) वैशाली ब) सावत्थी
क) राजगीर ड) राजगृह

9) पालित किती अव्यय आहेत.
पालि में कितने अव्यय है।

अ) 04 ब) 05
क) 06 ड) 07

10) गोतम बुध्दाच्या मावशीचे नाव काय?
गोतम बुध्द के मौसी का नाम क्या?

अ) आम्रपाली ब) पटाचारा
क) खेमा ड) महाप्रजापती गोतमी

****